im ÇKDa.

प्राणिकिता f. Schuh TRIK. 2,10,12. — Vgl. प्राणिकिता.

प्राणोत्य n. Schuld (ऋण) ÇKDs. und Wilson nach Taik. 2,9,1; nach den Corrigg. ist aber प्रामीत्य zu lesen.

সামাহা (1. সামা + হুঁহা) m. 1) der Herr über das Leben, der Geliebte, Gatte H. 316. Sån. D. 71,1. Verz. d. Oxf. H. 89,a,3.5. সামাহা f. Geliebte, Gattin H. 515. — 2) der Herr über den Lufthauch, N. pr. eines Marut Mir. 142,13.

प्राणिश्चर् (1. प्राण +  $\S$ °) m. 1) der Herr über das Leben, der Geliebte, Gatte MBB. 3,2594. Spr. 27. 2692. 3713. Hit. 40, 9. 86, 11. °र्री f. Geliebte, Gattin Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 25, Çl. 3. Vgl. िश्चा°. — 2) ein best. Recept Verz. d. B. H. No. 972.

प्राणापकार (1. प्राण + 3°) m. Speise (was man dem Leben darbringt) Buig. P. 4,31,14.

प्राण्यङ्ग (प्राणिन् + श्रङ्ग) n. ein Theil eines lebenden Wesens, des Menschen AK. 3, 4, 26, 197. Thik. 3, 3, 110.

प्रातःकार्ष (प्रातर् + कार्य) n. Morgengeschäft. Morgencerimonie MBu. 5, 3334.

प्रात:काल (प्रात्यू + काल) m. Morgenzeit, der frühe Morgen Hit. 106, 10, v. l. Kull. zu M. 3,280.

प्रात:कृत्य (प्रात.रू + कृ°) n. = प्रात:कार्य Verz. d. Oxf. H. 95, a, 7. प्रात:प्रक्र s. u. प्रक्र 1.

प्रातंत्र (von 1. प्र; vgl. πρωΐ) adv. gaņa स्वराद् zu P. 1,1,37. VS. PRAT. 1, 168. AV. PRAT. 2, 48. (317) Unadis. 5, 59). früh, morgens; am nächsten Morgen, morgen früh, morgen AK. 3,5,19. H. 1533. Halas. 1, 111. प्राता रथा नवी याजि RV. 2,18,1. 3,41,2. 52,1. 7,41,1. प्रातः सतमीपबा कर्पश्च 4,35,7. प्राता रहीं प्रातरिही दधाति 1.125,1. प्रातर् क्री: 5,76,3. Air. Ba. 2,31. 3,44. 4,20. सायम्, प्रातः. मध्यंदिनं परि AV. 4, 11, 12. 6,128, 2. 11, 2, 16. ÇANKH. ÇR. 2, 6, 1. M. 7, 37. 11, 211. 219. R. 2, 65, 1. Suça. 1,242, 7. Ragh. 1,90. 2,24. Spr. 1896. 1960. Brauma-P. in LA. 57,5. Ніт. 9,7. प्रात: प्रात: jeden Morgen Daçak, in Bene. Chr. 189, 17. यत्स्वप्रे मन्माति न प्रात्रिधगम्यते davon merkt man andern Morgens Nichts AV. 7, 101, 1. प्रातर्वः प्रतिवक्तास्मि Air. Bs. 3. 22. गन्धर्वा वे ते प्रातर्वा रातार: ÇAT. BR. 11,5,1,12. Kulnd. Up. 5,11.7. KATH. 32,7. KATJ. CR. 2,1,17. 5,4,2. Suca. 1,111,9. Ragii. 2,70. Vid. 49. 217, 222, 276. KATHAS. 4, 43, 71. HIT. 21, 7. 91, 15. VID. 118, 202, 254. KATHAS. 5,21. 28,124. 39,114. 45,294. PANKAT. 55,8. VET. 11,20. Personificirt ein Sohn Pushparņa's von der Prabha Вида. Р. 4,13,13. - vgl. श्रभिः, सायंः, स

प्रांतर v. l. für प्रतर im gaṇa कृशासादि zu P. 4.2,80. m. N. pr. eines Naga: प्रांतरातका MBn. 1,2154.

प्रातर्नुवार्क (प्रा॰ + अनु॰) m. Frühausagung, so heisst die Litanei, mit welcher das Pratahsavana beginnt: प्रातर्नुवाका मक्ति राज्या अनूच्य: Air. Ba. 2, 15, 17, 18, 4, 19, 5, 33, सप्त चतुकृत्राणि च्क्न्रांसि प्रातर्नुवाक उनूच्यत्ते TBa. 1,5,0,7, 2,2,2,6, Çat. Ba. 3,9,2,7, 4,3,4,21, 11,5,5,9, Катл. Ça. 9,1,10, 13, 13,2,8, प्राग्वयसा प्रवादातप्रातर्नुवाकायामिल्यत: Âçv. Ça. 4,13, 15, Çiñeh. Ça. 6,2,1, 6,38, Kaind. Up. 2, 24,8, 4,16,2.

IV. Theil.

प्रातर्भिवाद (प्रा॰ + শ্বমি॰) m. Morgengruss Gobb. 3,1,18.
प्रातर्क्क (प्रा॰ + শ্বক্क) m. 1) der frühe Tag, Vormittag Gobb. 4,6,7.

— 2) N. pr. eines Mannes Ind. St. 4,372. Müller, SL. 443.

प्रातर्शि (प्रा॰ + श्राञ्) m. Frühstück Trik. 2,9,18. H. 426. Kaug. 72. 73. 141. Gobb. 1,3,19. Çiñkh. Grhj. 2,12. Draup. 4,17. MBb. 12,8018 = 13,4405. R. 5,24,8. Mrkku. 2,14. Drûrtas. 76,19. Brie. P. 3,2,2. 6, 18,51. ञ्र॰ adj. kein Frühstück einnehmend Suga. 2,74,1. — Vgl. सायमाञ्च. प्रातर्शित adj. der am Morgen gegessen hat, ein Frühstück einge-

সান্যায়ন adj. der am Morgen gegessen hat, ein Frühstick eingenommen hat M. 4, 62. Eher von সান্যায় als সান্য + সায়িন (vom
caus. von 2. ক্সম্).

प्रातराङ्गति (प्रातर् + ह्या°) f. Frühopfer, so heisst die zweite Hälfte des täglichen Agnihotra-Opfers Ait. Ba. 5, 28. Çat. Ba. 4,5,4,16. 13, 4,4,10. Kâti. Ça. 25,7,1. Lâți. 3,2,3. 8,3,1. 10,11,3.

प्राति रेंबन् (प्रात् + 3°) adj. P. 3.2,78, Sch. Vor. 26,69. früh ansgehend, — kommend, Morgengast: प्राता रुवं प्रात्रिती द्धाति RV.1, 125, 1. 2. die Açvin Nis. 4, 17. Kārs. 30, 1. voc. ्वस् P. 8,3, 1, Vartt. 1, Sch.

प्रातरीय adj. von प्रतर (v. l. प्रातर) gaņa कृशाश्चादि zu P. 4,2,80. प्रातरीय (प्रा॰ + गेय) m. ein Sänger, dessen Amt es ist den Fürsten um Moryen aus dem Schlaf zu wecken, Taik. 2,8,56.

प्रातिर्जेत् (प्रा॰ + जित्) adj. früh siegend, — gewinnend R.V. 7,41,2. प्रातर्दन adj. von प्रतर्दन Ind. St. 1,408.

प्रातर्दिन (प्रा॰ + द्नि) n. der frühe Tag, Vormittag Taik. 3,3,467. प्रातर्द्वगर्धे (प्रा॰ + द्व॰) n. Morgenmilch Çat. Br. 3,2,2,16.

प्रार्तिहाल (प्रा॰ + हारू) m. Morgenmelkung, Frühmilch Katj. Ça. 4, 2, 38. 7, 4, 31. Lätj. 10, 15, 7. 16, 10.

प्रातमां त्र (प्रा॰ + भा॰) m. Krähe (Frühesser) ÇABDAK. im ÇKDa. प्रातमां त्र (प्रा॰ + भा॰) n. Frühstück Trik. 2,9,18. ĞAŢĀDH. im ÇKDa. प्रातमां त्र (प्रा॰ + पा॰) adj. so v. a. प्रातमित्र हे ए. 1,44,13. 45,9. 2,39,2. 5,51,3. प्रात्मी वीषा। प्रथमा यं त्र व्यम् die Açvin 77, 1. 8,38,7. र्व 10,40, 1. 41,2. 63. 14. Air. Ba. 2,15. ÇAT. Ba. 3,9,8,8. ÇÄÑKH. Ça. 2,8,21. प्रात्मी त्र (प्रा॰ + युक्त) adj. früh angespannt: Wagen TBa. 2,4,8,7. प्रात्मी त्र (प्रा॰ + युक्त) adj. früh anspannend Nia. 12,4. die Açvin RV. 1,22,1. — 2) so v. a. प्रात्मी त्र, vom Wagen der Açvin RV. 10,41.2. प्रात्मित्र (dem देषाचस्त्र nachgebildet) nom. ag. früh leuchtend Açv. Ça. 3, 12. ÇÄÑKH. GŖUJ. 8,4.

प्रातर्होम (प्रा॰ + हाम) m. Frühopfer: ° विधि Verz. d. B. H. No. 1022. प्रातस्तैन (von प्रात् ) 1) adj. morgendlich P. 4, 2, 104, Vårtt. 16, Sch. (auch प्रातस्तन). TS. 1, 5, 9, 1. Schol. zu Kårs. Ça. 444, 2. रेखाप्रभृत्यया-दित्ये त्रिमुद्धतं राते रेवा। प्रातस्तनः स्मृतः कालो भागः सा उद्गस्तु पञ्चाः ॥ VP. bei Kull. zu M. 3, 280. — 2) n. Frühe (es werden fünf Tageszeiten unterschieden: Frühe, Morgen (सँगव), Mittag, Nachmittag, Abend) TBa. 1, 5, 2, 1.

प्रातस्तराम् (wie eben) adv. ganz früh am Morgen Buarr. 4,14. प्रातस्त्य (wie eben) adj. morgendlich: वायु Schol. zu Amar. 58. प्रातस्त्रिवर्गा (प्रातर् — त्रिवर्ग) adj. f. als Beiw. der Ganga MBn.

प्रातःसंध्या (प्रातर् + सं°) f. Morgenröthe Kalika-P. 22 im ÇKDa.